S.V. Apte, English-Sanskrit Dictionary -- 3rd ed. Pune 1920

विषयसुखेच्छा, इंद्रियासक्ति *f*. 2 अतिस्पृहा-वांच्छा, लालसा, अतिलिप्सा, लोभः; वांछा, आकांक्षा, अभिलाषः. 3 दुर्वासना, कुवासना. -*v. i.* मैथुनं-सुरतं-इष् 6 P or अभिलष् 1, 4 P, रतार्थिन्-*a*. भू; better ex. by 'l.-ful.' 2 अत्यंतं इष् or वांछ् 1 P or स्पृह् 10 or कांक्ष् 1 P, गृध् 4 P, लुभ् 4 P. **-ful,** *a*. कामासक्त, कामांध, कामुक, कामिन्, इंद्रियवश - विषयानिरत, इंद्रियसुखासक्त, कामार्त, कामातुर, कामग्रस्त, कामजित, कामाविष्ट, स्मरातुर, कामवृत्ति, रतार्थिन्, मैथुनार्थिन्, मैथुनेच्छु, व्यवायिन्, लंपट, स्त्रीलंपट-पर-व्यसनिन्, कामन, अभीक, अनुक. **-fully,** *adv*. सकामं, कामुक-लंपट-वत्.

Lusty, *a*. महाबल, सवीर्य, ससत्त्व, सबल, बल-वीर्य-वत्, मांसल, दृढांग (गी *f*.), दृढशरीर, वज्रदेह, पृथुशरीर, व्यूढोरस्क, अंसल, महाकाय. **-ly,** *adv*. सवीर्यं, ससत्त्वं, बलवत्, तेजसा, पौरुषेण. **-ness,** *s*. वीर्यं, सत्त्वं, मांसलता, दृढांगता, &c.

Lustral, *a*. पावन, पावक, शुद्धिकर (री *f*.); 'l. water' पावनोदक, शांत्युदकं. **-Lustrate,** *v. t.* पू 9 U, शुध् c. **-ion,** *s*. शुद्धि *f*., शोधनं, पावनं, पवित्रीकरणं.

Lustre, *s*. द्युतिः, कांतिः, दीप्तिः, रुचिः, भास्, रुच्, शोभा, प्रभा, ओजस्विता (all *f*.), तेजस् *n*., प्रकाशः, प्रतापः, उद्द्योतः. **-Lustrous,** *a*. सुप्रभ, उज्ज्वल, तेजस्विन्, शोभन, दीप्ति-कांति-मत्; *See* **Bright.**

Lustrum, *s*. वर्षपंचकं.

Lutarious, *a*. पंकस्थ, कर्दमवासिन्. 2 पांकिल, कार्दम (मी *f*.). 3 पंकवर्ण.

Lute, *s*. वीणा, वल्लकी, विपंची-चिका, तंत्रीः, परिवादिनी (seven-stringed); 'bow of a l.' कोणः, शारिकः, रणः; 'play on a l.' वीणां वद् c. **-Lutanist, Luter, Lutist,** *s*. वीणावादः-दकः, वैणिकः.

Luteous, Lutescent, *a*. पीतवर्ण.

Luxate, *v. t.* विसं-धा 3 U, अस्थिग्रंथिं भंज् 7 P or त्रुट् c. or विसं-धा. **-ed,** *a*. संधि-च्युत-भ्रष्ट, संधि-विश्लिष्ट, त्रुटितसंधि. **-ion,** *s*. अस्थित्रोटनं-भंगः-विश्लेषः.

Luxury, *s*. विषयसुखं, सुखोपभोगः, सुख-भोग-आसक्ति *f*., विषयभोगः-सेवा, विलासः, विलासित्वं, सुखसेवा-आस्वादः. 2 सुखं, भोगः, सुखसाधनं, भोगसाधनं, सुखसाहित्यं. 3 स्वाद्वन्नं, भोजनविशेषः, उत्तमान्नं, विशिष्ट-भोजनं. **-iance, -iancy,** *s*. अति-वृद्धि-स्फीति *f*., समृद्धि *f*., वृद्धिबाहुल्यं, उद्रेकः. **-iant,** *a*. अतिवर्धिष्णु, अतिस्फीत, अतिसमृद्ध, सुप्रचुर, अस्यित, अतिबहुल, उद्रिक्त, अतिरिक्त, अत्यधिक. **-iantly,** *adv*. अतिसमृद्ध्या, अतिप्राचुर्येण, बाहुल्येन, अतिबहुलं, अतिरिक्तं, अतिबहुशः. **-iate,** *v. i.* अत्यंतं वृध् or स्फाय् 1 A or ऋध् 4, 5 P or आ-प्यै 1 A, अतिवृद्धिं इ 1 P, अतिप्रचुरीभू 1 P. 2 अतिविलासेन वृत् 1 A or व्यव-हृ 1 A यथेच्छं सेव् 1 A or उपभुज् 7 A. **-ious,** *a*. विलासासक्त, विषयसेविन्, विषयासक्त, सुख-भोग-परायण, इंद्रियसुखानिरत, सुखास्वादतत्पर. 2 विलासयुक्त-मय (यी *f*.), सविलास, अतिसुखावह, सुखभोगकर (री *f*.), भोगानुकूल. **-iously,** *adv*. सविलासं, अतिसुखेन; सुखोपभोगपूर्वं, सुखासक्तवत्. **-iousness,** *s*. विलासित्वं &c.; *See* (*s*.).

Lye, *s*. क्षारोदकं, क्षारजलं.

Lymph, *s*. वसा, मेदस् *n*. 2 निर्झरः, उत्सः, [illegible] वाहः. **-Lymphatic,** *s*. मेदोवाहिनी.

Lynx, वनमार्जारः-बिडालः.

Lyre, *s*. वीणा, विपंची; *See* **Lute.** **-ic, -ical,** *a*. वैणिक (की *f*.). **-ist,** *s*. वैणिकः.

Lythrum, *s*. अग्निज्वाला, सुभिक्षा, धातकी, धातु(तृ)पुष्पिका.

M.

Macaw, *s*. वक्रतुंडः, शुकः, कीरः.

Mace, *s*. जातिपत्री, जाति-ती *f*., जाति(ती)-कोशं, जातिफलं-कोशं. 2 गदा; दंडः, यष्टि *m. f*.; वेत्रं, लगुडः, मुस(ष)लः-लं, मुद्गरः; 'm.-bearer' दंड-यष्टि-धरः, वेत्रधरः, गदा-हस्तः पाणिः, यष्टिग्रहः, वेत्रपाणिः, दंडभृत्.

Macerate, *v. t.* जलेन आप्लु c., आर्द्रीकृ 8 U, सं-धा 3 U. **-ion,** *s*. संधानं, पाचनं आर्द्रीकरणं.

Machinate, *v. t.* मंत्र् 10 A, (उपायं) चिंत् 10, संप्र-धृ 10, परिक्लृप् c., युज् 10. 2 द्रुह् 4 P, कपटप्रबंधं रच् 10, गूढमंत्रणां कृ 8 U. **-ion,** *s*. कुकल्पना, कुमंत्रणा, कूटप्रबंधः, गूढप्रयोगः, कपटप्रबंधः, द्रोहचिंतनं, कल्पना, चिंतनं, योजना, विधानं. **-or,** *s*. कुमंत्रणा-कृत् *m*., कपटप्रबंधरचकः.

Machine, *s*. यंत्रं, साधनं, उपकरणं. **-Machinery,** *s*. यंत्राणि, यंत्रसामग्री, यंत्र-समुदायः. **-Machinist,** *s*. यंत्रकारः-विद्, यंत्रकलाज्ञः. **-Mechanic,** *s*. शिल्पिन् *m*., शिल्पकारः, कर्मकारः, कारुः, शिल्पोपजीविन् *m*. **-*a*. -al,** -*a*. यंत्र in comp., यंत्रसंबंधिन्, यंत्रविषय, यंत्र-शिल्प-विद्यासंबंधिन्, यांत्रिक (का *f*.). 2 शिल्पविद्याकृत, यंत्रशास्त्रानुरूप; 'm. art' शिल्पं, कला. 3 यंत्रतुल्य, यंत्र-

Institute of Indology & Tamil Studies Cologne University Germany 9/1/2007